100 मछुआरों को पाकिस्तान में कराची की लांडी जेल से रिहा किया गया। सभी सोमवार रात को वाघा सीमा के रास्ते भारत लौटे। उन्होंने बताया कि भारतीय मछुआरों को पकड़ने के तुरंत बाद पाक नेवी के लोग पाक के समर्थन में नारे लगवाते हैं। मना करने पर बेरहमी से पीटा जाता है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
बुधवार 24 अप्रैल 2019

23 दिन में दक्षिण कश्मीर से 11 युवा गायब

चिंताजनक ▸ आतंकी संगठनों से मिलने की आशंका, सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह चौकन्ना

सुरक्षा बलों ने छेड़ रखा है युवाओं की घरवापसी का अभियान

नवीन नवाज, जम्मू

सुरक्षाबलों के तमाम प्रयासों के बावजूद आतंकी संगठन और उनके ओवरग्राउंड वर्कर कुछ और युवाओं को फुसलाकर आतंक की राह पर ले जाने में कामयाब रहे हैं। बीते 23 दिन में दक्षिण कश्मीर से 11 युवक लापता हैं। आशंका है कि वह आतंकियों के साथ जा सकते हैं। इससे सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सकते में हैं। लोकसभा चुनाव के चलते दक्षिण कश्मीर में अभूतपूर्व सुरक्षा बंदोबस्त हैं और आतंकियों व उनके ओवरग्राउंड नेटवर्क के खिलाफ अभियान जारी है।

सूत्रों के अनुसार लापता युवकों में से सात पुलवामा, एक शोपियां और तीन कुलगाम जिले के रहने वाले हैं। इनमें से दो युवकों के पिता कथित तौर पर रिटायर्ड फौजी हैं जबकि एक युवक का बड़ा भाई आदिल शाह हिजबुल मुजाहिदीन का नामी कमांडर रहा है। वह जून 2014 में अपने दो साथियों संग त्राल में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में मारा गया था।

यहां यह बताना असंगत नहीं होगा कि जुलाई 2016 के बाद से आतंकी संगठन स्थानीय युवाओं की भर्ती पर जोर दे रहे हैं। इस पर नकेल कसने के लिए पुलिस, सेना व अन्य सुरक्षा एजेंसियां लगातार अभियान चला रही हैं। आतंकी बनने वाले स्थानीय युवकों की घर वापसी को प्रोत्साहित करते हुए उनके पुनर्वास के प्रयास किए जा रहे हैं। आतंकियों व ओवरग्राउंड नेटवर्क द्वारा चिह्नित युवकों का पता लगाकर उनकी काउंसलिंग भी की जा रही है।

राज्यपाल सत्यपाल मलिक, राज्य पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह और सेना अधिकारी दावा कर रहे हैं कि इस साल स्थानीय युवकों की आतंकी संगठनों में भर्ती की प्रक्रिया लगभग थम चुकी है। मात्र दो-चार लड़के ही आतंकी बने हैं। ऐसे में अप्रैल माह में दक्षिण कश्मीर में 11 युवकों के लापता होने से एजेंसियां की नींद उड़ना लाजिमी है। हालांकि अभी सबके आतंकी बनने की पुष्टि नहीं हुई है पर कुछ युवकों के फोटो हथियारों सहित सोशल मीडिया पर चल रहे हैं। संबधित अधिकारी इस पर चुप्पी साधे हुए हैं।

कोई मैट्रिक तो कोई बीटेक : सूत्रों के अनुसार पुलवामा से लापता ताहिर अहमद बट का हथियारों संग फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। मैट्रिक पास ताहिर टिप्पर चलाता था। उसके पिता एक रिटायर्ड फौजी बताए जाते हैं। स्कूल ड्रापआउट आजाद अहमद खांडे लापता होने से पहले मस्जिद मे इमामत करता था। 12वीं कक्षा के छात्र साहिल अब्दुल्ला की गुमशुदगी की रिपोर्ट परिजनों ने 13 अप्रैल को दर्ज कराई है। बताया जाता है कि उसका एक दोस्त 30 मार्च को बनिहाल में हुए वाहन बम धमाके के सिलसिले में पकड़ा गया है।

त्राल से गायब रियाज अहमद शाह ने 10 अप्रैल को अपने भाई नजीर को फोन पर बताया था कि वह अवंतीपोर में है लेकिन छानबीन में पता चला कि उस समय जम्मू के किसी होटल में था। सीमेंट फैक्टरी में काम करने वाला इस्लामिक यूनिवर्सिटी अवंतीपोरा में बीटेक का छात्र इम्तियाज अहमद शाह का भाई आदिल शाह हिज्ब का नामी कमांडर रहा है।

कुलगाम के मुख्य बाजार मे दुकान चलाने वाले शाहिद ने सोशल मीडिया पर हथियारों संग अपनी तस्वीर वायरल की है। कुलगाम से 5 अप्रैल को लापता इरफान अहमद बट पर आरोप है कि वह 3 अप्रैल को शालीपोरा में सरपंच अब्दुल मजीद की हत्या में लिप्त आतंकियों के साथ था। तब से फरार चल रहा है। कुलगाम से लापता आकिब अहमद की तस्वीर भी हथियारों संग सोशल मीडिया पर वायरल है।

यह युवक हैं गायब

- ताहिर अहमद बट निवासी मलंगपोरा (पुलवामा)
- मोहम्मद शबान बट निवासी मलंगपोरा (पुलवामा)
- आजाद खांडे निवासी बामनू (पुलवामा)
- साहिल अब्दुल्ला निवासी चकूरा (पुलवामा)
- रियाज अहमद शाह निवासी गुलबाग (त्राल)
- रईस डार निवासी जोवस्तान (त्राल)
- हमीद निवासी मिड़ूरा (त्राल)
- इम्तियाज शाह निवासी रतसुना (त्राल)
- शकील अहमद डार निवासी टुकरु (शोपियां)
- शाहिद सादिक मलिक निवासी खुल डीएचपोरा (कुलगाम)
- इरफान अहमद बट निवासी पोनीवाह (कुलगाम)
- आकिब अहमद निवासी रेडवनी (कुलगाम)

हाथ की लकीरें बचानी हैं तो कीजिए नमस्ते

वीणा तिवारी, चंडीगढ़

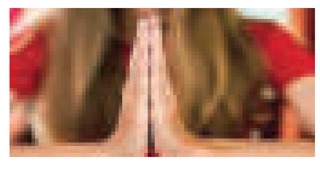

- बायोमीट्रिक आइडेंटिटी प्रूफ के दौर में मिट रही हैं अंगुलियों की लकीरें
- फिंगर प्रिंट एग्जिमा नामक स्किन प्रॉब्लम है कारण, डॉक्टर दे रहे हाथ न मिलाने की सलाह
- ऑफिस में हाजिरी लगाने और आधार कार्ड बनवाने में आ रही है दिक्कत

हाथों की लकीरों में लिखी होती है तकदीर ... यह लाइन कहती है कि हाथों की लकीरों में भविष्य लिखा होता है। लेकिन अब इन लकीरों पर खतरा मंडराने लगा है। इससे फ्यूचर छोड़िए प्रेजेंट बचाना मुश्किल होने लगा है। बायोमीट्रिक आइडेंटिटी प्रूफ के दौर में लोगों के अंगुलियों की लकीरें मिट रही हैं। ऐसा हो रहा है फिंगर प्रिंट एग्जिमा नामक स्किन प्रॉब्लम से। जो एक अंगुली से शुरू होकर दोनों हाथों की सभी लकीरों को मिटा दे रही है। इस समस्या से कोई बैंक अकाउंट नहीं खुलवा पा रहा तो कोई ऑफिस में अपनी हाजिरी दर्ज नहीं करवा पा रहा। इस समस्या से जूझने वाले लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। लेकिन सरकार की ओर से इसे लेकर अब तक कोई गाइडलाइन जारी नहीं की गई है। वहीं, स्किन स्पेशलिस्ट ने इससे बचाव के लिए नमस्ते कैंपेन शुरू कर दिया है। उनका मानना है कि हाथ मिलाने से परहेज करके खुद को इस बीमारी से बचाया जा सकता है।

नमस्ते कैंपेन से बचाव का प्रयास : इस समस्या से बचाव के लिए देशभर के डर्मटॉलजिस्ट नमस्ते कैंपने को फेवर कर रहे हैं। इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मटॉलजिस्ट के मेंबर और नेशनल स्किन हॉस्पिटल के डॉ. विकास ने बताया कि उन्होंने अपने हॉस्पिटल को शेकहैंड फ्री जोन डिक्लेयर किया है। क्योंकि हाथों से जुड़ी स्किन प्रॉब्लम हाथ मिलाने से बढ़ रही है। ऐसे में नमस्ते करने की आदत डालने की सलाह दी जा रही है।

हेपेटाइटिस का भी खतरा : हाथ मिलाने से स्किन डिजीज के साथ ही हेपेटाइटिस बी और सी होने का भी खतरा रहता है। जीएमसीएच सेक्टर-16 के स्किन स्पेशलिस्ट डॉ. मंजीत ने बताया कि स्किन प्रॉब्लम के मरीज मौसम में बदलाव के दौरान ज्यादा आते हैं। उस समय हथेली में फंगल इंफेक्शन के मामले बढ़ जाते हैं। ऐसे में लोगों को शेकहैंड न कर नमस्ते करने की सलाह द जाती है।

खुद की आइडेंटिटी बचानी हुई मुश्किल : डॉ. विकास ने बताया कि उनकी ओपीडी में आने वाले मरीजों में ऐसे मर्ज वालों की संख्या 20 से 25 प्रतिशत है। वह बताते हैं कि अंगुलियों के निशान न आने से बैंक और ऑफिस सभी जगहों पर परेशानी झेलनी पड़ रही है। आधार कार्ड नहीं बन पा रहा। उनमें से ज्यादातर में फिंगर प्रिंट एग्जिमा की शिकायत सामने आ रही है। इस बीमारी में एक अंगुली से शुरू हुआ इंफेक्शन धीरे-धीरे पूरे हाथ को इफेक्ट करता है। इससे स्किन लाइन पूरी तरह डेमेज हो जाती है।

इन बीमारियों से जरा बचके

फिंगर प्रिंट एग्जिमा के साथ ही पामर सोरायसिस, कायरोपाम्फोलिक्स, टीनिया मेनन से हाथ की लकीरें मिटने लगी हैं। डॉ. विकास ने बताया कि कुछ इलाकों में तो पूरी की पूरी आबादी इसकी चपेट में आ चुकी है। इन बीमारियों के शुरुआती दौर में हाथों में खुजली, लालपन, पानी वाले दानें निकलना, डार्कनेस, हथेली में कड़ापन जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

बचाव के लिए हो रहे रिसर्च

इस बीमारी को लेकर स्किन स्पेशलिस्ट काफी गंभीर हैं। डर्मटॉलजिस्ट एसोसिएशन से जुड़े डॉक्टरों ने इस पर रिसर्च भी शुरू कर दी है। डॉ. विकास ने बताया कि इन बीमारी को लेकर वे अलग-अलग रिसर्च कर रहे हैं। मई में शिकागो और जून में इटली में आयोजित वर्ल्ड कांफ्रेंस में अपना पेपर प्रेजेंट करेंगे। दोनों कांफ्रेंस में इस बीमारी से बचाव पर आगे की गाइडलाइन बनाई जाएंगी।

आतंकी फंडिंग मामले में गिलानी के बेटे से एनआइए ने की पूछताछ

नई दिल्ली, प्रेट्र : पाकिस्तान समर्थक अलगाववादी नेता सैयद अली शाह गिलानी के बेटे नायीन गिलानी पूछताछ के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी के सामने पेश हुए। जांच एजेंसी ने जम्मू एवं कश्मीर में आतंकी समूहों और अलगाववादी संगठनों को मिलने वाले आर्थिक सहयोग से संबंधित मामले में पूछताछ की है। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। लंबे समय से एनआइए के सवालों को टालते आ रहे नायीन गिलानी सोमवार को हाजिर हुए। मंगलवार को उनसे विस्तृत पूछताछ की गई। गिलानी से पूछताछ से पहले एनआइए उदार हुर्रियत कांफ्रेंस के प्रमुख मीरवाइज उमर फारूक से इसी मामले में पूछताछ कर चुकी है।

एनआइए आतंकी गतिविधियों, पत्थरबाजों, स्कूल जलाने के लिए गोपनीय ढंग से आर्थिक मदद मुहैया कराने की श्रृंखला का पता लगाने में जुटी है। इस मामले में पाकिस्तानी आतंकी संगठन जमात-उद-दावा के प्रमुख हाफिज सईद को नामजद किया है। जांच एजेंसी ने सैयद अली शाह गिलानी की अगुआई वाले हुर्रियत कांफ्रेंस के धड़े, हिजबुल मुजाहिदीन और दुख्तरान-ए-मिल्लत जैसे संगठनों को भी नामजद किया है।

चलती ट्रेन के इंजन में आग लगी, यात्रियों ने धक्का देकर बोगियों से किया अलग

नईदुनिया, गुना

▸ मध्य प्रदेश के सिलावटी और गुना स्टेशन के बीच ग्वालियर-बीना पैसेंजर में लगी थी आग

मध्य प्रदेश के सिलावटी और गुना स्टेशन के बीच ग्वालियर-बीना पैसेंजर मंगलवार को बर्निंग ट्रेन बनने से बच गई। ट्रेन के डीजल इंजन में आग लग गई थी। ड्राइवर ने फुर्ती दिखाकर ट्रेन रोक दी और यात्रियों की मदद से इंजन को धकेलकर बोगियों से दूर कर दिया।

ट्रेन नंबर 51884 ग्वालियर-बीना पैसेंजर मंगलवार को सुबह साढ़े आठ बजे ग्वालियर से रवाना हुई थी। दोपहर साढ़े 12 बजे के करीब सिलावटी और गुना स्टेशन के बीच ट्रेन के इंजन में आग की लपटें उठने लगीं। ड्राइवर मुकेश कुमार ने ट्रेन रोक कर उसमें उपलब्ध अग्निशमन यंत्र से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हुए। दहशत में यात्री भी बोगियों से उतरकर आसपास के खेतों में खड़े हो गए थे।

आग बढ़ती देखकर फायर ब्रिगेड को सूचना दी। ट्रेन के स्टाफ ने इंजन और पहली बोगी के बीच की कपलिंग खोल दी। इसके बाद यात्रियों की मदद से जलते इंजन को धक्का देकर बोगियों से दूर हटाया। तब तक सूचना मिलने पर गुना से फायर ब्रिगेड पहुंच गई। उसने ट्रेन की आग बुझाई। इसके अलावा आरपीएफ, जीआरपी और स्थानीय पुलिस के करीब 50 जवान और अधिकारी मौके पर पहुंच गए थे। यात्रियों के लिए पानी के पाउच सहित अन्य जरूरी सुविधाएं भी ले गए थे। बाद में दूसरा इंजन पहुंचाकर ट्रेन को गुना लाया गया। फिर यहां से ट्रेन बीना के लिए रवाना हुई।

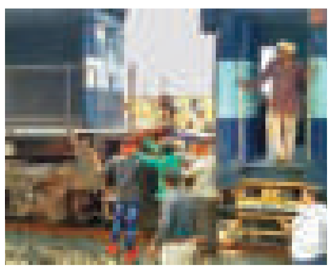

इंजन में धक्का मारकर बोगियों से उसे दूर हटाते हुए यात्री।

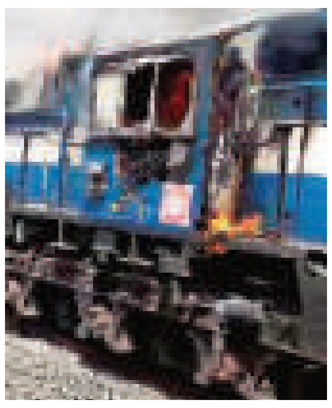

ट्रेन के इंजन से उठती हुई आग की लपटें।

> ट्रेन में आग लगने की सूचना पर स्थानीय पुलिस बल भी मौके पर पहुंचा। सुखद बात यह रही कि सभी यात्री सुरक्षित हैं। आग लगने के कारणों की जांच रेलवे के अधिकारी करेंगे।
> –राहुल कुमार, पुलिस अधीक्षक, गुना

जैश ने दी मोहन भागवत व योगी को बम से उड़ाने की धमकी

जासं, शामली : श्रीलंका में बम धमाकों के चार दिन बाद आतंकी संगठन जैश-ए-मुहम्मद ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघ चालक मोहन भागवत की हत्या और शामली सहित कई जिलों के रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी दी है। धमकी भरा पत्र मिलने के बाद मेरठ जोन के सभी जिलों में अलर्ट घोषित कर दिया गया है। मंगलवार को सभी रेलवे स्टेशनों व ट्रेनों में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया।

शामली रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर विक्रांत सरोहा के नाम रजिस्टर्ड डाक से एक पत्र 20 अप्रैल को रेलवे कार्यालय शामली पहुंचा था। पत्र पढ़ने के बाद विभागीय अधिकारियों के साथ थाना शामली आरपीएफ व जीआरपी को भी इसकी जानकारी दी गई। जैश-ए-मुहम्मद के एरिया कमांडर मैसूर अहमद के नाम से भेजे गए पत्र में लिखा है कि-वह अपने जेहरेदारों की मौत का बदला जरूर लेंगे। पत्र में 13 मई को शामली, बागपत, मेरठ, हापुड़, गजरौला, गाजियाबाद, मुजफ्फरनगर, बरेली, दिल्ली, पानीपत, रोहतक समेत कई रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है।

राजस्थान में किशोरियों के गले पर चाकू रखकर पिलाया एसिड

जासं, उदयपुर

- उदयपुर जिले के गुमानपुरा गांव में हुई वारदात
- पड़ोसी युवक के साथ उसकी बहन भी वारदात में शामिल

राजस्थान में उदयपुर जिले के वल्लभनगर क्षेत्र के गुमानपुरा गांव में दो किशोरियों को गले पर चाकू रखकर जबरन एसिड पिलाने का मामला सामने आया है। दोनों किशोरियों की हालत गंभीर है और उन्हें एमबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। किशोरियों के परिजन ने मंगलवार को वल्लभनगर थाने में मामला दर्ज करवाया है। विवाद का कारण नाले में डाला कचरा बताया जा रहा है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक गुमानपुरा गांव के अयूब मोहम्मद और उनके पड़ोसी शंकरलाल कलाल के परिवार में नाले में कचरा डालने को लेकर आए दिन झगड़ा होता रहता था। इसी विवाद के चलते शंकरलाल के पुत्र चेनराम और उसकी बेटी कांता चौधरी ने अयूब की बेटियों रूबीना बानो (14) और रजिया बानो (12) के गले पर चाकू रखकर उन्हें धमकाया और एसिड पिला दिया। रूबीना ने पुलिस को दिए बयान में कहा कि वारदात के समय उसकी मां, पिता और भाई के साथ काम पर गई थी। घर पर वह छोटी बहन रजिया के साथ चने साफ कर रही थी। इसी दौरान चेनराम अपनी बहन कांता के साथ आया। उसने उसके गले पर चाकू रखा और जबरन एसिड पिला दिया। इस दौरान उनका छोटा भाई आया तो दोनों भाई-बहन ने उससे मारपीट की। उन्हें उल्टियां होने लगीं तो दोनों भाग गए। वल्लभनगर थाना पुलिस के मुताबिक, आरोपितों की तलाश में एक टीम उनके घर भेजी गई, लेकिन वह नहीं मिले। माना जा रहा है कि परिजन ने उन्हें गांव से बाहर किसी रिश्तेदार के यहां भेज दिया है।

> मामले की सत्यता की जांच की जा रही है। पीड़ित और आरोपित पड़ोसी हैं। उनके घरों के बीच से एक नाला निकलता है और उसमें कचरा डालने को लेकर दोनों परिवारों के बीच आए दिन झगड़ा होता रहता है। सोमवार को भी इसी बात पर दोनों परिवारों में झगड़ा हुआ। पीड़िताओं के बयान दर्ज किए गए हैं। जल्द ही आरोपितों की गिरफ्तारी की जाएगी।
> –कैलाश विश्नोई, पुलिस अधीक्षक, उदयपुर

पाकिस्तान से जीती 65 और 71 की जंग और सिस्टम से हार गए

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

- शिकोहपुर में अधिगृहीत छह एकड़ जमीन के बदले प्लॉट या मुआवजे के लिए भटक रहा फौजी परिवार
- नेवी से रिटायर्ड कमांडर पिता संग अब लेफ्टिनेंट कर्नल बेटे ने संभाली कमान, पीएमओ-सीएमओ में शिकायत भी बेअसर

नेवी के रिटायर्ड कमांडर गजराज सिंह। 1965 और 1971 की लड़ाई में जांबाजी दिखाते हुए पाकिस्तान पर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई, लेकिन अपने ही देश में व्यवस्था से लड़ाई हार गए। 75 वर्षीय बुजुर्ग पिता थके तो लेफ्टिनेंट कर्नल बेटे विजय सिंह ने लैंड पूलिंग स्कीम के तहत अधिग्रहीत छह एकड़ जमीन के बदले प्लॉट के लिए दिल्ली में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से लेकर चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) तक दरवाजा खटखटाया, लेकिन हक नहीं मिला। इस दौरान गुरुग्राम के संपदा अधिकारी और प्रशासक से लेकर हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के मुख्य प्रशासक से मुलाकातों और चिट्ठी-पत्री के कई दौर चले, लेकिन कहीं सुनवाई नहीं हो रही।

मामला गुरुग्राम के शिकोहपुर गांव में भूमि अधिग्रहण से जुड़ा है। वही शिकोहपुर, जो कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के जीजा राबर्ट वाड्रा के भूमि खरीद विवाद को लेकर लंबे समय से राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में है। दरअसल वर्ष 2012 में तत्कालीन पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की सरकार ने गुरुग्राम में सेक्टर 37 सी डेवलप करने के लिए जमीन अधिगृहीत की थी। तब रिटायर्ड कमांडर गजराज सिंह की छह एकड़ जमीन भी हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण ने अधिगृहीत कर ली। इसी दौरान सरकार ने लैंड पूलिंग स्कीम लांच कर दी जिसके लिए गजराज सिंह ने आवेदन कर दिया, लेकिन तब से न मुआवजा मिला और न सेक्टर में रिहायशी व आवासीय प्लॉट।

> मामला हमारे संज्ञान में है। 3 मई को लेफ्टिनेंट कर्नल और उनके परिजनों के साथ ही गुरुग्राम के संपदा अधिकारी-दो और प्रशासक को चंडीगढ़ बुलाया है। सभी पक्षों के साथ बैठक के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकेगा।
> –एके सिंह, प्रधान सचिव, नगर एवं योजनाकार विभाग

क्या है लैंड पूलिंग स्कीम

लैंड पूलिंग स्कीम के तहत सेक्टरों के लिए अधिग्रहीत प्रति एकड़ भूमि के बदले 1000 वर्ग गज का रिहायशी प्लॉट तथा 100 गज का वाणिज्यिक प्लॉट देने की व्यवस्था है। एचएसआइआइडीसी द्वारा अधिग्रहीत प्रति एकड़ भूमि के बदले किसानों को 1200 वर्ग गज का प्लॉट दिया जाता है। इस पॉलिसी को नहीं अपनाने पर भू-मालिकों को अवार्ड के अनुसार मुआवजा राशि और आरएंडआर नीति के तहत देय लाभ पाने का विकल्प है।

छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ में पांच लाख का इनामी नक्सली ढेर

नईदुनिया, दंतेवाड़ा : छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा जिले के फरसपाल थाना स्थित फुलगट्टा जंगल में फोर्स ने मंगलवार दोपहर दो बजे मुठभेड़ में पांच लाख के इनामी नक्सली को मार गिराया। उसकी शिनाख्त भैरमगढ़ एरिया कमेटी अध्यक्ष कमलू शंकर के रूप में हुई है।

एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव ने बताया कि बीजापुर जिले की सीमा पर पेद्दापारा में नक्सलियों के जमावड़े की सूचना मिली थी। डीआरजी की एक छोटी टीम इस दौरान इलाके में सर्चिंग पर निकली थी। सूचना की पुष्टि करते हुए फोर्स आगे बढ़ रही थी, तभी फुलगट्टा के जंगल में दूसरी ओर से नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक नक्सली मारा गया। मारे गए नक्सली का शव बरामद कर लिया गया है। उससे 9-एमएम पिस्टल भी बरामद की गई है। गौरतलब है कि बस्तर में 11 और 18 अप्रैल को लोकसभा चुनाव का मतदान होने के बाद भी नक्सलियों का उत्पात जारी है। वहीं, सुरक्षा बलों की कार्रवाई भी लगातार जारी है। शनिवार देर रात कांकेर के आमाबेड़ा क्षेत्र के तुमसनार के ग्राम पटेल निवासी दलसाय कवाची (55) की मुखबिरी के शक में नक्सलियों ने डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी थी।

रिलीज से पहले ही विवादों में फंसती जा रही 'मेंटल है क्या'

जागरण संवाददाता, जयपुर

- मनोरोग चिकित्सकों ने कंटेंट पर जताई आपत्ति
- कंगना रनोट व राजकुमार राव ने किया है अभिनय

अभिनेत्री कंगना रनोट और अभिनेता राजकुमार राव अभिनीत फिल्म 'मेंटल है क्या' अपने टाइटल एवं कंटेंट को लेकर विवादों में घिरती जा रही है। फिल्म के टाइटल को लेकर राजस्थान के चिकित्सकों ने भी विरोध किया है।

चिकित्सकों का कहना है कि मेंटल शब्द और जो कहने का अंदाज है, वह मानसिक रोग की परेशानियों को झेल रहे लोगों की हंसी उड़ाता है। फिल्म मानसिक स्वास्थ्य देखभाल कानून -2017 की धाराओं का उल्लंघन करती नजर आती है। चिकित्सकों को आपत्ति है कि फिल्म के टाइटल के जरिये मनोरोग और मनोरोगियों को अपमानजनक, भेदभावपूर्ण और अमानवीय तरीके से दिखाया गया है।

इंडियन साइकेट्री सोसायटी ने फिल्म के कंटेंट को लेकर आपत्ति दर्ज की है। सोसायटी ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) को पत्र लिखकर कहा है कि फिल्म में मनोरोग को गलत तरीके से पेश किया है। एकता कपूर के प्रोडक्शन में यह फिल्म बनी है। मेंटल हैल्थ पॉलिसी के चेयरमेन और जयपुर स्थित एसएमएस मेडिकल कॉलेज के विभागाध्यक्ष (साइकेट्री) डॉ.आरके सोलंकी का कहना है कि फिल्म का टाइटल बदलना चाहिए, जिससे मानसिक रोगियों पर किसी तरह का बुरा प्रभाव नहीं पड़े। डॉ.सोलंकी ने बताया कि देश के हर नागरिक के लिए मानसिक स्वास्थ्य देखभाल कानून-2017 का पालन करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वह देशभर के मनोचिकित्सकों एवं सामाजिक संगठनों से संपर्क कर रहे हैं।

कुंभ मेले के बाद कचरा निस्तारण न होने पर एनजीटी नाराज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने यूपी के मुख्य सचिव को कुंभ मेले के बाद प्रयागराज में जमा कचरे का निस्तारण तत्काल करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही इस संबंध में अफसरों की जवाबदेही तय करने के लिए कहा है। एनजीटी ने मुख्य सचिव को इसके लिए जिम्मेदार अफसरों को चिह्नित कर 26 अप्रैल को अगली सुनवाई में उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

एनजीटी ने इस मामले का संज्ञान न्यायमूर्ति अरुण टंडन की अध्यक्षता वाली समिति की रिपोर्ट के आधार पर लिया है। एनजीटी ने कहा कि क्षेत्र की स्थिति चिंताजनक है और महामारी फैलने की आशंका है। इसलिए यहां सॉलिड वेस्ट प्रबंधन के लिए तत्काल जरूरी कदम उठाए जाएं। एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति आदर्श कुमार गोयल की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि कचरा निस्तारण की किस अफसर की जिम्मेदारी थी इसकी जवाबदेही जमीनी स्तर पर तय होनी चाहिए। ट्रिब्यूनल ने कहा कि रिपोर्ट में पेश की गई तस्वीरों को देखने से ऐसा लगता है कि सीवेज के गंदे पानी के उपचार, नालियों का सुधार व सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के कार्य तत्काल जरूरी हैं।

सुविधा

अधिक ऊंचाई पर सांस लेने में होने वाली दिक्कतों को दूर करने के लिए लिया गया निर्णय, चार धाम यात्रा की तैयारियों में स्वास्थ्य विभाग भी जुटा

बदरीनाथ और केदारनाथ में तैयार होंगे ऑक्सीजन चैंबर

जागरण संवाददाता, देहरादून

बदरीनाथ और केदारनाथ में स्वास्थ्य विभाग ऑक्सीजन चैंबर तैयार करेगा। अधिक ऊंचाई पर सांस लेने में होने वाली दिक्कतों को दूर करने के लिए यह निर्णय लिया गया है। दरअसल, केदारनाथ समुद्रतल से 11300 फीट और बदरीनाथ 10170 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। ऐसे में हृदय और सांस से संबंधित मरीजों को इतनी ऊंचाई पर खासी परेशानी हो सकती है। यहां तक कि जान जाने का खतरा भी बना रहता है। वर्ष 2017 में चारधाम यात्रा के दौरान 112 और वर्ष 2018 में 106 लोगों की मौत हुई। इनमें ज्यादातर लोगों की आयु साठ वर्ष से अधिक थे और ये ब्लडप्रेशर, हृदय रोग अथवा दमे के मरीज थे।

उत्तराखंड के स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. रविंद्र थपलियाल ने बताया कि ऐसे लोगों के लिए ऑक्सीजन चैंबर तैयार किए जा रहे हैं। सांस लेने में दिक्कत आने पर ऐसे लोग चैंबर में जाकर ऑक्सीजन ले सकेंगे, जिससे वे सामान्य महसूस कर सकें। उन्होंने बताया कि चारधाम यात्रा रूट पर इस बार रोटेशन प्रणाली के तहत 84 चिकित्सकों की तैनाती की जाएगी। इनमें 30 विशेषज्ञ चिकित्सक भी शामिल हैं। इसके अलावा केदारनाथ, बदरीनाथ एवं अगस्त्यमुनि में टेलीमेडिसन की सुविधा भी श्रद्धालुओं को प्रदान की जाएगी। यात्रा मार्गों पर मेडिकल रिलीफ पोस्ट व फर्स्ट मेडिकल रिस्पोंडर की भी व्यवस्था की जा रही है।

सिक्स सिग्मा बदरीनाथ में भी देगा सेवा : हाई एल्टीट्यूड मेडिकल कैंप लगाने वाला एनजीओ सिक्स सिग्मा हेल्थ केयर इस बार केदारनाथ के साथ ही बदरीनाथ में भी सेवाएं देगा। पिछले साल इस एनजीओ ने 12 हजार फुट की ऊंचाई पर अस्पताल खोला था। 10 बेड के इस अस्पताल में मरीजों को मुफ्त उपचार दिया गया। एनजीओ से जुड़े वालंटियर केदारनाथ आपदा के दौरान भी अपनी सेवा दे चुके हैं।

यात्रियों को ठंड से बचाएगा वार्म रूम : गौरीकुंड से केदारनाथ के बीच पड़ने वाले पड़ावों पर ठंड से बचने के लिए वार्म रूम भी तैयार किए जा रहे हैं। ठंड के चलते तबीयत बिगड़ने पर यात्री इनका उपयोग कर सकेंगे।

पर्वतारोही दलों को गोमुख जाने की अनुमति

जागरण संवाददाता, उत्तरकाशी : गोमुख ट्रैक का जायजा लेने गया गंगोत्री नेशनल पार्क का दल भी वापस लौट आया है। दस सदस्यीय यह दल भी गोमुख तक नहीं पहुंच पाया। हालांकि दल की रिपोर्ट के बाद पार्क प्रशासन ने पर्वतारोही दल को ट्रैकिंग की अनुमति दे दी है, लेकिन आम पर्यटक को अभी मई तक इंतजार करना पड़ेगा। मई के प्रथम सप्ताह में एक टीम फिर ट्रैक का निरीक्षण करने भेजी जाएगी। इस बार शीतकाल में भारी बर्फबारी के कारण गोमुख ट्रैक को खासा नुकसान पहुंचा है। यही वजह है कि पार्क प्रशासन पर्यटकों को ट्रैक पर भेजने की अनुमति देने में हिचकिचा रहा है।

कैंसर मरीज के बेटे सहित तीन गिरफ्तार, चार दिन की रिमांड पर

जागरण संवाददाता, सोनीपत

लास्ट स्टेज के कैंसर मरीज का बीमा कर फर्जी ढंग से क्लेम लेने के मामले में एसटीएफ ने एक कैंसर मरीज के बेटे सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। करनाल निवासी सुमित ने गिरोह के संपर्क में आने के बाद अपने पिता का करोड़ रुपये से ज्यादा का बीमा करवाया था। मौत होने पर शव गिरोह को सौंप दिया था। गिरोह ने शरीर पर चोट के निशान दिखाकर दुर्घटना की पोस्टमार्टम रिपोर्ट तैयार करवाकर क्लेम लिया था। वहीं पुलिस ने सोनीपत नागरिक अस्पताल के कंप्यूटर ऑपरेटर रोहट गांव निवासी प्रदीप और रोहतक पीजीआइ में कार्यरत रोहतक के गांव भगवतीपुर निवासी प्रमोद को भी गिरफ्तार किया है। प्रमोद पर क्लेम लेने वाले कैंसर मरीजों की फाइलें जलाने का आरोप है। फिलहाल, एसटीएफ तीनों को चार दिन की रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है।

एसटीएफ की सोनीपत ईकाई ने 19 अप्रैल को एक गिरोह के तीन सदस्यों को पकड़ा था, जो कैंसर मरीजों की मौत के बाद उनके शव को दूसरी जगह ले जाकर गाड़ी से कुचल कर सड़क दुर्घटना का रूप दे देते थे और बीमा कंपनियों से क्लेम लेते थे। गिरोह के सरगना गांव सेवली निवासी पवन भौरिया, रिंढाना निवासी मोहित व गुमाना निवासी विकास ने पूछताछ में बताया कि गिरोह का पूरा काम पुलिस कर्मचारियों व डॉक्टरों की मिलीभगत से चल रहा है। कैंसर मरीजों की मौत को सड़क हादसा दिखाने के बाद गिरोह पीजीआइ रोहतक से मरीज की फाइल भी गायब करवा देता था।

हरियाणा में फर्जी बीमा क्लेम का मामला

> मामले में एक कैंसर मरीज के बेटे सहित तीन और लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपित ने बताया है कि पिता की मौत होने के बाद उसने शव गिरोह को सौंप दिया था।
> – शमशेर सिंह, जांच अधिकारी एवं डीएसपी।